**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**पेयजल एवं स्वच्छता विभाग**

**विषय: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से संबंधित माह अगस्त, 2024 का मासिक सारांश**

**1. जल जीवन मिशन (जेजेएम)**

8.01 लाख परिवारों को कार्यशील पारिवारिक नल जल कनेक्शन प्रदान किये गये, जिससे कुल संख्या बढ़कर 15.11 करोड़ हो गयी, जो ग्रामीण क्षेत्रों के कुल परिवारों का लगभग 78.17 प्रतिशत है।

**2. स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण-चरण II**

अगस्त, 2024 के दौरान **4,09,406** व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) और **859** सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (सीएससी) का निर्माण किया गया है। इस अवधि के दौरान **38,598** गांवों ने स्वयं को ओडीएफ प्लस घोषित किया है। इस माह में 27,169 गांवों को ठोस कचरा प्रबंधन तथा 6,413 गांवों को तरल कचरा प्रबंधन के अंतर्गत कवर करने की सूचना मिली है। इस माह में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 74.03 करोड़ रूपये की राशि जारी की गई।

**3.** सचिव, डीडीडब्ल्यूएस ने 01.08.2024 को महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़, 02.08.2024 को असम, 05.08.2024 को उत्तर प्रदेश, 06.08.2024 को पश्चिम बंगाल, 07.08.2024 को झारखंड, 08.08.2024 को कर्नाटक तथा केरल, 14.08.2024 को ओडिशा, 16.08.2024 को राजस्थान, 19.08.2024 को तमिलनाडु, 21.08.2024 को मध्य प्रदेश के साथ जेजेएम से संबंधित अनेक समीक्षा बैठकें की।

**4.** एसबीएम (जी) के तहत ओडीएफ प्लस (उत्कृष्ट) संबंधी उपलब्धि की समीक्षा करने हेतु सचिव, डीडीडब्ल्यूएस की अध्यक्षता में बिहार, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और उत्तर प्रदेश राज्यों के 54 डीएम/डीसी/सीईओ, जिला परिषद के साथ दिनांक 21 अगस्त, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए जिले के लिए आवश्यक सलाह/सुझाव दिए गए।

**5.** स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 अभियान की तैयारी के संबंध में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के एसीएस/प्रधान सचिवों/ शहरी विकास, ग्रामीण स्वच्छता विभाग और पंचायती राज विभाग के प्रभारी सचिवों के साथ दिनांक 29 अगस्त, 2024 को एक संयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

6. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल एवं स्वच्छता संस्थान (एसपीएम-निवास) इस विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत जल एवं स्वच्छता से संबंधित एक शीर्ष संस्थान है। इस संस्थान ने "ट्रांसफॉर्मिंग कम्युनिटीज: मास्टरिंग पीआरए इन वाटर एंड सैनिटेशन", "ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण" और "एसबीएम (ग्रामीण 2.0) का कार्यान्वयन" संबंधी विषयों पर 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 135 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान ने एसबीएम (जी) के दूसरे चरण में मास्टर ट्रेनर्स (एमटी) के लिए 4 वेबिनार पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

*****